(भगवान महावीर २६ सौ वाँ जन्मकल्याणक वर्ष)

ब्र. साधर्मीभाई रायमल्लजीकृत ज्ञानानन्द श्रावकाचार से संकलित

पंचपरमेष्ठी

(स्वरूप एवं समीक्षा)

अनुवाद एवं संपादन :

ब्र. यशपाल जैन *एम.ए.* जयपुर

प्रकाशक :

पण्डित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट

ए-४, बापूनगर, जयपुर - ३०२०१५

प्रथम संस्करण :

(दिनांक १७ फरवरी २००२)

(आ.कुन्दकुन्द जन्म-जयन्ती)

१० हजार प्रतियाँ

अनुक्रमणिका

प्रस्तुत ग्रन्थ में (पेज संख्या)	ज्ञानानन्द श्रावकाचार में (पेज संख्या)
अरहन्त का स्वरूप	
६ से ७	२ से ३
७ से ९	१३९ से १४०
९	३
१०	२०६ से २०७
१० से १२	१३३ से १३४
१३ से १८	१३० से १३३
१८ से १९	५ से ६
सिद्ध का स्वरूप	
२० से ३७	१९३ से २०५
३७ से ४०	३ से ५
साधु का स्वरूप	
४१ से ५९	६ से १९
५९ से ६३	२०८ से २११

कीमत :

चार रुपये

टाईपसैटिंग :

त्रिमूर्ति कम्प्यूटर्स

ए-४, बापूनगर, जयपुर

प्रस्तुत संस्करण के प्रकाशन में श्रीमती भंवरीदेवी घीसालालजी छाबड़ा, ट्रस्ट सीकर की ओर से ४० हजार रुपये प्राप्त हुए हैं।

मुद्रक :

प्रिंट 'ओ' लैण्ड

बाईस गोदाम, जयपुर